## हवाई पत्र Aerogramme









S.H. RAZA Esq.,

101, RUE DE CHARONNE,

2, CITE DU COUVENT,

75011 PARIS. FRANCE.

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

भेजने वाले का नाम और पता:-Sender's Name and Address:-

PRAMUL RADIONICS,
MAHATMA GANDHI ROAD,

DOMBIVLI WEST 421202.
MAHARASHTRA STATE, INDIA.

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये No Enclosures Allowed भागनीय हिंदी रजा

सादर् नगरकार्।

अनामका निम्मूरित तम पान्तर ज्ञी रक्षी मिली उसे शवदों में अभिक्यका नहीं किया जा राकता में आपकी सरवा। और मिक्यवा से ही सरेव आपको याद रर्श्ती इननी राफ्लता और प्रसिद्ध के बाद भी इननी सरवना विश्वास नहीं आता।

वाक डी पापा स्रोभाग्यशाली है जो आपका प्रेम उनको मिला। रवेद तो इस वात का है कि परिस्थितियों की प्रतिक्वलता से उनके जीवन की दिशा स्वरल गर्मी। यह दुख्य उनकों सदेव धे रहेगा। यह जानकर अत्यधिक प्रसन्नता हुई कि आप अगले वर्ष किर आने वाले हैं कीर अभिनी जैनिन के साथ उनसे मिलने की अनुभूति भी उननी धे सुखद होनी ऐसी उम्मीद है।

भारी प्रसून भी आपने मिलने वडा थी आतुर था , मुलाकात हुडी ऐसा बनाया!

में जब आपने मिलने गई थी तो कल्पना में विदेशी छीन थी यानेकि बिल्चुल थी विपरीन छीने में ने पाई। में पड़ी धे नविर थी किंतु आपको — जब पंडोले में प्रविषट होते देखी सारी नविरानेस जाती रही। आपकी सरल मुस्कान मुझे आश्वर में पटले ही परिनात होती। जिस आली ये कारा में पटले ही परिनात होती। जिस आलीयता से आप मिले कीर आपकी मिलकर जो सुखा से ता वह अपने बड़ो से मिलकर जो सुखा होता है, जिससे में अभाग्य वहां पवित रही।

पहला मोड़ FIRST FOLD

अभिना जीनिन के विषय में जानने की उत्सुक ही भी ने आपने नमरकार कहा है। अपनी व्यस्ततम जिंदगी स्मे नवा मिकालकर आपने मेरे पत्र का जवाब देने का कक्ट किया, उसके लिए श्राह्मवाद।

में अब आपसे अगली मुलाकात का हेतजार बेसबी से कर रही इं! तब आपसे पुत! भिल सक्ती! शेष शुभ आपकी मीलिया